Research Directions
Volume 1 , Issue 1 / July 2013 ISSN:-2321-5488

Research Article

वन्य जीवन पर्यटन का अर्थ व्यवस्था पर प्रभाव (कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के संदर्भ में)

भुनेश्वर टेंभरे , देवेन्द्र के. बिसेन
सहायक प्राध्यापक (भूगोल) रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला (मध्यप्रदेश)
भूगोल विभागप्रमुख, मनोहरभाई पटेल महाविद्यालय, देवरी जिल्हा गोंदिया(महाराष्ट्र)

सारांश

पर्यटन आज विश्व का सबसे तीव्रगति से विकसित उद्योग है। आज पर्यटन मात्र मौज मस्ती, घूमना–फिरना प्राकृतिक या सांस्कृतिक पर्यावरण के भूदृश्यों को देखना, फोटो खीचने का नाम नहीं है अपितु सांस्कृतिक विचारों के आदान प्रदान के साथ साथ विदेशी मुद्रा अर्जन का मुख्य साधन बन गया है । परिणामस्वरूप पर्यटन किसी क्षेत्र/प्रदेश की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव के माध्यम के रूप में विकसित हो रहा है । प्रस्तुत शोध पत्र में इन्ही तथ्यों को समाहित किया गया है ।

परिचयः

संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण वर्ष के अवसर पर भारत सरकार के द्वारा मई 2002 में नई पर्यावरण पर्यटन नीति की घोषणा से पर्यटन का संपूर्ण आशय ही परिवर्तित हो गया है। वर्तमान समय में पर्यटन केंद्रो को इस तरह से विकसित किया जा रहा है कि पर्यटकों को न केवल संपूर्ण आनंद प्राप्त हो सके अपितु पर्यटक अपने आपको शारीरिक रूप से स्फूर्त, मानसिक रूप से तरूण, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध एवं अंतर्मन से पर्यटन केंद्रो को देखने के साथ–साथ महसूस भी कर सके । म.प्र. के मण्डला जिले में स्थित कान्हा राष्ट्रीय उद्यान भी इसका अपवाद नहीं है कान्हा का प्राकृतिक सौंदर्य न केवल देश प्रदेश के पर्यटकों अपितु विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का भी मुख्य केंद्र है। फलतः व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसरों के सृजित होने के कारण क्षेत्र के आर्थिक विकास में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की भूमिका निरंतर बढती जा रही है । प्रस्तुत शोध पत्र इन्ही तथ्यों को विश्लेषित करने का प्रयास है ।

अध्ययन क्षेत्रः

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ के दक्षिण पूर्व सीमा पर स्थित बालाघाट एवं मण्डला जिले में विस्तारित मैकल पहाडियों के बीच स्थित कान्हा राष्ट्रीय उद्यान 88° 26′10′′ से 81° 4′40′′ उत्तरी अक्षांश एवं 22° 1′5′′ से 22° 27′ 48′′ पूर्वी देशांश के बीच लगभग 2074 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल को आबद्ध किए हुए है । कान्हा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता की दृष्टि से न केवल भारत में अपितु संपूर्ण विश्व के गिने चुने स्थानों में से एक है, जहां पर बाघ को संरक्षित किया गया है। इस संपूर्ण क्षेत्र को कमशः तीन प्रशासनिक क्षेत्रों राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र (940 वर्ग किलोमीटर) बफर जोन (1134 वर्ग किलोमीटर) एवं फेन वाईल्ड लाइफ अभ्यारण्य (110 वर्ग किलोमीटर) में विभाजित किया गया है। बंजर एवं हालोन नदी घाटियों को मिलाकर 1933 में इसे वन्य जीव अभ्यारण्य तथा 1973 में इसे टाइगर रिजर्व क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है । संपूर्ण अध्ययन क्षेत्र के भौगोलिक क्षेत्रान्तर्गत लगभग 43 वनग्राम एवं 126 राजस्व ग्रामों में 113810 व्यक्ति एवं 73258 पशुधन निवास रत है ।

अध्ययन का उददेश्य :

प्रस्तुत शोध पत्र को सामान्यतः निम्नांकित उददेश्यों के रूप में अध्ययन कर प्रस्तुत किया गया है ।

1पर्यटन के आकर्षण के कारणों का विश्लेषण
2पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के तथ्यों का विश्लेषण
3पर्यटन केंद्र के कारण क्षेत्र की अर्थ व्यवस्था पर पड रहे प्रभावों का अध्ययन
4पर्यटन क्षेत्र की समस्याओं का अध्ययन एवं समस्याओं को कम करने के व्यवहारिक उपायों का विश्लेषण

शोध प्रवधि :

प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन के उददेश्यों को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2001 से 2011 तक कुल 11 वर्ष के द्वितीयक संमक संचालक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला से एवं प्राथमिक संमक वन्य जीवन की संख्या के नवीनतक संभवू (2010) उपलब्ध होने के कारण अंतिम जनगणना वर्ष (2006) तक संभको का उपयोग किया गया है । सर्वेक्षण के दौरान व्यक्तिगत साक्षात्कार विधि के द्वारा प्राप्त किए गए है । प्राप्त समंको के विश्लेषण के लिए एवं अध्ययन के उददेश्यों की स्पष्टता के लिए सरलतम सांख्यकीय विधियों का उपयोग किया गया है ।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान :

प्रकृति की खुली पाठशाला – मैकाल की सुरम्य पहाडियों के मध्य श्वासरोधक नैसर्गिक सौंदर्य के साथ साथ अकल्पनीय जैव

विविधता से सरोबार कान्हा राष्ट्रीय उद्यान न केवल बाघ संरक्षित क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है श्अपितु प्राकृतिक हेरिटेज के रूप में भी प्रसिद्ध है यहां पर न केवल वर्तमान पीढी अपितु भावी पीढी के मनोरंजन एवं शिक्षण को भी ध्यान में रखा गया है कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में आसमानसे बात करते उंचे साल के वनों के साथ साथ 1988 में प्रकाशित लाल पुस्तक में समाहित संकलन प्रजातियों में से लगभग 16 प्रजातियों का संरक्षण स्थल है वन्य प्राणियों का साहचर्य एवं वनचरित विकास की प्रक्रिया प्राकृतिक न्याय वन्य प्राणियों की आश्चर्य चकित करने वाली अदाएं वनराज की दहाड रंगबिरंगे पक्षियों की मनमोहक आवाजे सहज ही पर्यटकों को प्रकृति के असीम सौंदर्य को करीब से देखने एवं पढने के लिए आमंत्रित करती हैं सारणी कमांक 01, 02 एवं 03 में तथ्य को सत्यता के साथ प्रमाणित भी करते हैं ।

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव :

पर्यटन को बढावा देने के लिए भारत सरकार ने 1982 में विस्तृत पर्यटन नीति तैयार कर 1991 में स्वतंत्र पर्यटन मंत्रालय की स्थापना की है। इस प्रक्रिया का मूल उददेश्य पर्यटकों की संख्या में वृद्धि, स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन एवं विदेशी मुद्रा का अर्जन करना है । कान्हा राष्ट्रीय उद्यान इन्ही उददेश्यों को साकार कर रहा है सारणी कमांक 04 एवं सारणी कमांक 05 उक्त तथ्यों की पुष्टी करते हैं ।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के कारण अध्ययन क्षेत्र का संपूर्ण आर्थिक परिदृश्य परिवर्तित हो गया है । इस क्षेत्र में काष्ठ कला उद्योग, होटल व्यवसाय, यातायात के साधन, बुनियादी वस्तुओं की उपलब्धता हेतू संचालित व्यवसायिक प्रतिष्ठान पर्यटक गाईड के रूप में लगभग 9000 व्यक्तियों को न केवल प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है अपितु अप्रत्यक्ष रूप से भी लाखों व्यक्ति कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से आय प्राप्त कर रहे हैं। परिणामस्वरूप कान्हा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण बदलाव आया है जिसके कारण निवासरत व्यक्तियों के जीवन स्तर में भी गुणवत्ता परिलक्षित होने लगी है ।

निष्कर्ष:

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान का मूल उददेश्य पर्यटन के साथ साथ वन्य जीवन का संरक्षण करना भी है वन्य जीवन के संरक्षण के कारण ही राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में वन्य जीवन की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है दिन प्रतिदिन होटल व्यवसाय एवं अन्य सहायक व्यवसाय पुष्पित हो रहे हैं इस प्रक्रिया के कारण जहां एक ओर रोजगार के नये नये अवसर उपलब्ध होने के कारण क्षेत्र की अर्थ व्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड रहा है वहीं दूसरी ओर वन्य जीवन पर नकारात्मक प्रभाव भी परिलक्षित हो रहे हैं । सारणी कमांक 01 एवं सारणी कमांक 04 उक्त तथ्यों की सत्यता को स्पष्ट भी कर रहे हैं । इस परिदृश्य से बाहर आने की आवश्यकता है खरपतवार समस्या वन्य प्राणियों की समस्या को राष्ट्रीय उद्यान से लगे ग्रामीण जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर कम किया जा सकता है परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय उद्यान एक नये कलेवर के साथ क्षेत्र की अर्थ व्यवस्था को और सुदृढता प्रदान कर सकता है

संदर्भ

1 Parihar A.S. and P.C. kotwal (1989) Management plan of kanha national Park and Project Tiger Kanha .
2 Gopal Rajesh (1993) The Kanha Success Story An Ecological Retrospective ISOT 1993
3 कुमार, कपिल (2007) पर्यटकों एवं मेजवानों को समझना, प्रकाशकः इग्नू नई दिल्ली।
4 रावत, ताज (2004) पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धांत, प्रकाशकः तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली ।
5 नेगी जगमोहन (2007) पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधन, प्रकाशकः तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली ।
6 राजन, धर्म एवं सेठ(1994) भारत में पर्यटन प्रकाशक : एच.पी.एच. पब्लिकेशन नई दिल्ली ।
7 चोपड़ा सुचिता (1992) भारत में पर्यटन का विकास प्रकाशक एच.पी. एच. नई दिल्ली ।

सारणी कमांक 01
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान प्रकृति के अजूबे

क	अजूबो के नाम	संख्या		परिवर्तन
		2000	2006	
1	चीतल	20628	21540	+4.52
2	सांभर	3577	3595	−6.00
3	बारकिंग डियर	1171	1140	−0.96
4	बारहसिंघा	384	335	+0.29
5	नीलगाय	78	136	+42.65
6	बुलबुल	73	115	+36.52
7	जंगली भेंस	1178	1651	+78.35
8	शेर	112		

स्त्रोत – संचालक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला (म.प्र.)

सारणी कमांक 2
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान पर्यटक संख्या प्रतिवर्ष

क	पर्यटक	संख्या		परिवर्तन
		2001	2011	
1	भारतीय	45557	140700	−67.62
2	विदेशी	2570	34073	+92.45

स्त्रोत – संचालक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला (म.प्र.)

सारणी कमांक 3
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान पर्यटक संख्या प्रतिदिन

क	पर्यटक	संख्या		प्रतिदिन परिवर्तन
		2001	2011	
1	भारतीय	169	546	+69.05
2	विदेशी	10	132	+92.45

स्त्रोत – संचालक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला (म.प्र.)

सारणी कमांक 4
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान : शासकीय स्त्रोतो से प्राप्त आय
(रूपयों में)

क	आय के स्त्रोत	भारतीय पर्यटक			विदेशी पर्यटक		
		2006	2011	परिवर्तन	2006	2011	परिवर्तन
1	प्रवेश शुल्क	3049805	27423000	−11.21	7806500	15416000	+49.36
2	केमरा शुल्क	1130140	135000	−751.95	NA	15000.00	+100
3	टाईगर शो	3719960	3445600	−7.96	3447800	1741200	−98.01
4	अन्य शुल्क	591790	1225932	+51.73	NA	90234	+100.0
5	कुल आय	8511695	82592892	+73.88	11254300	17262432	+34.80
6	प्रति पर्यटक	89.00	232.00	+61.64	1056.00	2746.00	+61.54

स्त्रोत – संचालक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला (म.प्र.)

सारणी कमांक 5
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर

कमांक	व्यवसाय का नाम	संख्या
1	शासकीय	5026
2	पर्यटक गाईड	225
3	होटल व्यवसाय	2562
4	टेक्सी चालक	235
5	अन्य व्यवसाय	636
	योग	8684

स्त्रोत – संचालक कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला (म.प्र.)